Bharat Temples

रुद्राष्टक

नमामीशमीशान निर्वाण रूपम्
विभुम् व्यापकं ब्रह्म वेदस्वरूपम् ॥
निजं निर्गुणम् निर्विकल्पं निरीहम् ।
चिदाकाशमाकाश वासं भजेअ्हम् ॥1॥

निराकारमोंकार मूलं तुरीयम् ।
गिराग्यान गोतीतमीशं गिरीशम् ॥
करालं महाकाल कालं कृपालं ।
गुणागार संसार पारं नतोअ्हम् ॥2॥

तुषाराद्रि संकाश गौरं गंभीरम् ।
मनोभूत कोटि प्रभा श्री :शरीरं ॥
स्फुन्मौलि कल्लोलिनी चारु गंगा ।
लसत्भालबालेंदु कंठे भुजंगा ॥3॥

चलत्कुंडलं भ्रू सुनेत्रं विशालम् ।
प्रसन्नानम नीलकंठं दयालम् ॥
मृगाधीश चर्माम्बरं मुण्डमालं ।
प्रियं शंकरं सर्वनाथम् भजामि ॥4॥

प्रचंडं प्रकृष्टं प्रगल्भं परेशम् ।
अखंडं अजं भानुकोटि :प्रकाशं ।॥

त्रय :शूलनिर्मूलनम् शूलपाणिम् ।
भजेअ्हम् भवानी पतिं भावगम्यम् ॥5 ॥

कलातीत कल्याण कल्पांतकारी ।
सदा सच्चिदानंद दाता पुरारी ॥
चिदानंद संदोह मोहापहारी ।
प्रसीद प्रसीद प्रभो मन्मथारी ॥6 ॥

ना यावद् उमानाथ पदारविंदं ।
भजंतीह लोके परेअ्वा :नराणाम् ॥
ना तावत् सुखं शांति संताप नाशम् ।
भजेहम् शिवं सर्व भूतादि वासम् ॥7 ॥

ना जानामि योगं जपं नैव पूजां ।
नतोहम् सदा सर्वदा शंभु तुभ्यम् ॥
जरा जन्म दु :खौघतातप्यमानं ।
प्रभो पाहि आपन्नमामीश शंभो ॥8 ॥

रुद्राष्टकं इदं प्रोक्तं विप्रेण हरतोषये ।
ये पठंति नरा : भक्तया : तेषांशंभु : प्रसीदति ॥

Source: https://www.bharattemples.com/rudrashtaka/

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw